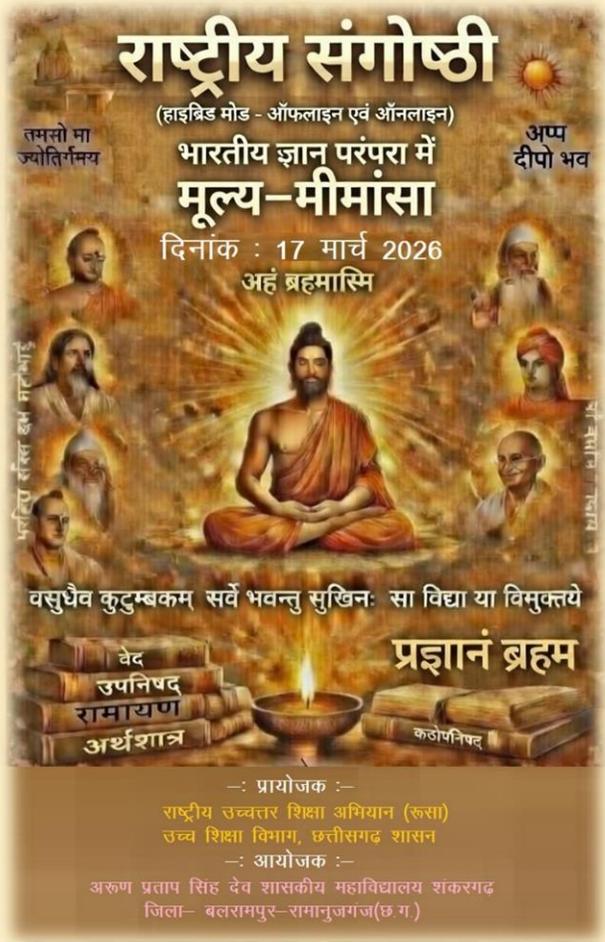




अरुण प्रताप सिंह देव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़
जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)



संरक्षक एवं संयोजक
डॉ. पुनीत कुमार राय
प्रभारी प्राचार्य

सह-संयोजक
सुश्री अनुभा मिंज
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य

सह-आयोजन सचिव
श्रीमती रोशनी बेक
सहायक प्राध्यापक रसायनशास्त्र

आयोजन सचिव
श्री सुरेश कुमार रवि
सहायक प्राध्यापक, प्राणिशास्त्र

सुश्री मनीषा कुजूर
सहायक प्राध्यापक वनस्पतिशास्त्र

मार्गदर्शक
डॉ. विनोद कुमार अग्रवाल
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य

श्री अमीन साय
अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति

महाविद्यालय: परिचय

सन् 2012 में स्थापित अरुण प्रताप सिंह देव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ तहसील में स्थित है। यह जिला मुख्यालय बलरामपुर से 60 कि.मी., संभाग मुख्यालय अंबिकापुर से 65 कि.मी., राजपुर से 20 कि.मी. दूर स्थित है एवं सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। यह नैक द्वारा बी ग्रेड प्राप्त एक स्नातक स्तरीय महाविद्यालय है जहाँ मानविकी, विज्ञान एवं वाणिज्य पाठ्यक्रम संचालित हैं। यहाँ सह-शिक्षा है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शंकरगढ़ महाविद्यालय का परिवेश एवं परिसर अत्यन्त प्रेरक और रचनात्मक है। महाविद्यालय परिसर पूर्णतया रैगिंग, लैंगिक जातीय, साम्प्रदायिक, भेदभाव-उत्पीड़न, धुम्रपान से मुक्त है। शंकरगढ़ एक ग्रामीण एवं जनजाति बहुल अंचल है। वनाच्छादित पाट, पहाड़, घाट, नदी, प्रपात, ग्रामीण परिवेश, विरल बसाहट, उन्मुक्त - हरित परिवेश-दृश्यावली के कारण शंकरगढ़ अत्यन्त रमणीय अंचल है। यहाँ प्रसिद्ध जोकापाट, लहसुनपाट, पुरातत्व स्थल डिपाडीह, हर्राटोली एवं निकट ही दनगरी, मकरभंजा जलप्रपात स्थित है। यह अंचल वन सम्पदा, खनिज सम्पदा से सम्पन्न एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यन्त सम्भावनापूर्ण है।

विषय: परिचय

भारतीय ज्ञान परम्परा अत्यंत विस्तीर्ण, वैविध्यपूर्ण एवं विपुल है। इसकी परिधि में स्व भी है और समष्टि भी, परा विद्या भी है और अपरा विद्या भी, शास्त्र भी है और लोक भी। मूल्य-मीमांसा भारतीय ज्ञान परम्परा का केन्द्रीय तत्व है। भारतीय ज्ञान परम्परा जीवन को चिन्मयता, उदात्तता, एकत्व से परिपूरित करने वाले मूल्यों को अन्वेषित, उद्घाटित प्रतिष्ठित करती है। ये मूल्य जागतिक भी हैं और पारमार्थिक भी, ये मूल्य मांगल्य एवं मुक्ति, अभ्युदय एवं निःश्रेयस की सिद्धि कराने वाले हैं। ये मूल्य व्यक्ति का निरंतर विस्तार कराने वाले, उसका परिवार, समाज, राष्ट्र, सृष्टि से एकात्म कराने वाले हैं। ये मूल्य स्व का शोध-बोध कराने वाले हैं, ये मूल्य भय-भ्रम, दुख-दैन्य, द्वेष-दंभ, प्रलोभन-पशुता, कुंठा-कालुष्य से मुक्त कराने वाले हैं। 'आत्मनो मोक्षार्थं जगद्धिताय च' ही इन मूल्यों का प्रयोजन है। वेद से लेकर विवेकानंद तक इन्हीं मूल्यों का ही निर्वचन है। संपूर्ण भारतीय वाङ्मय, कला, कौशल, कथा, कर्मकाण्ड में ये मूल्य ही व्यंजित हुए हैं। वर्तमान लोभ, भोग, स्वार्थ, संकीर्णता, चकावौंध, चिंता, प्रदर्शन, पाखण्ड से भरे समय में जब जीवन के अर्थ, आदर्श का प्रश्न गौण हो गया है, दिनोदिन विवेक का विलोप होता जा रहा है, ऐसे समय में भारतीय मूल्य-मीमांसा हमारे लिए अत्यंत मूल्यवान है। भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित समुत्कर्ष के सूत्रों में ही सभ्यता के संकटों का समाधान है।

विमर्श के बिन्दु

- अहं ब्रह्मास्मि : मनुष्य में निहित देवत्व का उद्घोष।
- पुरुषार्थ चतुष्टय
- भारत का एकत्व चिंतन
- या देवी सर्वभूतेषु : भारत की स्त्री-दृष्टि
- भारत का धर्म बोध
- भारतीय चिंतन में विश्वभाव
- भारत का राजधर्म चिंतन
- भारत की अर्थ-दृष्टि
- षोडश संस्कार : जीवन के सतत् संस्कार की शृंखला
- सा विद्या या विमुक्तये : भारत की ज्ञान दृष्टि
- भारतीय चिंतन में पर्यावरण मूल्य
- परा और अपरा विद्या
- अभ्युदय और निःश्रेयस
- उपनिषदों का संदेश
- गीता की शाश्वत शिक्षा
- महाभारत का मूल्य बोध
- जीवन मूल्य और रामायण
- पंच महाऋण और पंच महायज्ञ
- महावीर का मार्ग
- बुद्ध का धम्म
- इदं राष्ट्राय, इदं न मम : भारतीय चिंतन में देशराग
- कला मूल्य और भारतीय चिंतन
- साहित्य का स्वधर्म
- भक्ति काव्य की मूल्यभूमि
- मानस का धर्मरथ
- जतो मत ततो पथ
- विवेकानंद : योद्धा सन्यासी की विवेक - वाणी
- गांधी की मूल्य-दृष्टि
- भारतीय नवजागरण की मूल्य-चेतना
- आख्यान : कथाओं में निहित जीवन विवेक
- लोक का जीवन बोध
- जनजातीय परम्परा में मूल्य चेतना
- परम वैभव के लिए पंच परिवर्तन
- सभ्यता के संकट और भारतीय ज्ञान परम्परा

परामर्श मंडल

1. डॉ. रिजवानउल्ला, अपर संचालक, उच्च शिक्षा, सरगुजा संभाग, अम्बिकापुर, छ.ग.।
2. डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी, कुलसचिव, संत गहिरा गुरु वि.वि., सरगुजा, छ.ग.।
3. डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, प्राचार्य, राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर, छ.ग.।
4. डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, लखनपुर, छ.ग.।
5. डॉ. एस.एन. पाण्डेय, प्राध्यापक (अंग्रेजी), राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर, छ.ग.।
6. डॉ. आनंदमूर्ति मिश्रा, प्राध्यापक (मानव विज्ञान), गुरुघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, छ.ग.।
7. डॉ. व्ही.एम.डांडेकर, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य), शा. मयूरध्वज महादानी महाराजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चांपा छ.ग.।
8. डॉ. रमेश कुमार पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य), शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर, छ.ग.।
9. डॉ. जी आर. पाटले, प्रभारी प्राचार्य, जाजल्लदेव कन्या महा. जांजगीर, छ.ग.।
10. डॉ. रोज लिली बड़ा, प्रभारी प्राचार्य, शा. लरंगसाय अग्रणी महा. रामानुजगंज, छ.ग.।
11. डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा, प्राध्यापक (इतिहास), गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, छ.ग.।
12. डॉ. सुधीर कुमार सिंह, प्रभारी प्राचार्य, रानी दुर्गावती महा. वाड्डफनगर, छ.ग.।
13. डॉ. नितेश कुमार मिश्रा, सह आचार्य (प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व), पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग.।
14. डॉ. जीतन पैकरा, प्रभारी प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय राजपुर, छ.ग.।
15. डॉ. रामकिंकर पाण्डेय, प्रभारी प्राचार्य शा. कन्या महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़, छ.ग.।
16. डॉ. अगस्टीन कुजूर, प्रभारी प्राचार्य, शा. कन्या महाविद्यालय बलरामपुर, छ.ग.।
17. डॉ. रश्मि पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र), शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय सूरजपुर, छ.ग.।
18. डॉ. विनय कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक (मानव शास्त्र), शासकीय एन.ई.एस. महाविद्यालय जशपुर, छ.ग.।
19. डॉ. ऋषिराज पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक (इतिहास), गोविंद सारंग शासकीय विधि महाविद्यालय भाटापारा, बलौदाबाजार, छ.ग.।
20. डॉ. आशीष तिवारी, प्रभारी प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय जरही, छ.ग.।
21. डॉ. अमित सिंह बनाफर, प्रभारी प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय सिलफिली, छ.ग.।
22. डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक (हिन्दी), राजीव गांधी पी.जी. कॉलेज, अम्बिकापुर, छ.ग.।
23. श्री नंद कुमार देवांगन, सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी), रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय, खैरागढ़, छ.ग.।
24. डॉ. पीयूष कुमार पाण्डेय, विशेष कतर्वर्यस्थ अधिकारी, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, छ.ग.।
25. डॉ. धरमपाल साहू, सहायक प्राध्यापक (हिन्दी), शा. नवीन महा. लखनपुर, छ.ग.।
26. डॉ. शिवाकान्त इजारदार, सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी), किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़, छ.ग.।
27. श्री राजेश द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक (हिन्दी), शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटापारा, छ.ग.।
28. श्री बूज लाल पटेल, सहायक प्राध्यापक (भूगोल), शासकीय नवीन महाविद्यालय पिरदा, महासमुंद छ.ग.।

आयोजन समिति

1. श्री अभयदीप भगत, अतिथि व्याख्याता (अर्थशास्त्र)
2. श्री अखिलेश सिंह, अतिथि व्याख्याता (भूगोल)
3. श्री मरियानुस एक्का, अतिथि व्याख्याता (अंग्रेजी)
4. सुश्री दुर्गेश भगत, अतिथि व्याख्याता (समाजशास्त्र)
5. श्री रामनाथ राम, लिपिक सहायक ग्रेड-01
6. श्री उमेश कुमार भगत, प्रयोगशाला तकनीशियन
7. श्रीमती सुषमा साहू, प्रयोगशाला तकनीशियन
8. श्री धनीराम दुबे, समवन्धक सहायक, पंडित सुन्दरलाल शर्मा अध्ययन केन्द्र शंकरगढ़।
9. सुश्री शालिनी सिंह, प्रयोगशाला तकनीशियन
10. श्री हेमन्त तिर्की, कम्प्यूटर ऑपरेटर
11. श्री उमेश कुमार दास
12. श्री लेताफिनस मिंज
13. सुश्री विमला यादव

शोध सारांश एवं शोध पत्र

- शोध सारांश न्यूनतम 500 शब्दों में होना चाहिए। शोध सारांश जमा करने की अंतिम तिथि 13-03-2026 है।
- शोध पत्र न्यूनतम 3000 शब्दों में होना चाहिए। शोध पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15-03-2026 है।
- शोध सारांश, शोध पत्र हिंदी में कृतिदेव 10, फॉण्ट साइज 14 या Unicode फॉण्ट साइज 12 में होने चाहिए।
- शोध सारांश एवं शोध पत्र MS Word File एवं PDF file में इस पते पर भेजें - govtcollegeshankargarh12@gmail.com
- चयनित उत्कृष्ट शोध पत्रों को 31 जुलाई 2026 तक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क देय नहीं होगा।

पंजीकरण

ऑनलाइन पंजीकरण का लिंक :-

<https://forms.gle/bbLKMz8WBtbn9aYv5>

Scan QR Code for Registration



व्हाट्सअप ग्रुप लिंक :-

https://chat.whatsapp.com/LE8IF4JQBPa2CaSkKFAmJ8?mode=gi_t



पंजीयन शुल्क

क्र	प्रतिभागी	शुल्क
1	प्राध्यापक / प्रबुद्ध जन	500रू./-
2	शोधार्थी	300रू./-
3	विद्यार्थी	200रू./-

Mr. Suresh Kumar Ravi
Bank- SBI Collectorate Branch Ambikapur
A/C - 20123176498
IFS Code - SBIN0006262
Mobile Number - 7987133486

Scan QR Code for Pay



संपर्क:-

डॉ. पुनीत कुमार राय - 9977771846
श्री सुरेश कुमार रवि - 7987133486
सुश्री अनुभा मिंज - 9770754685
श्री उमेश कुमार भगत - 7828037543

